महाराष्ट्र के शुगर मार्केट में UP की मिलों ने लगाई सेंध

यूपी के गन्ना किसान नई किस्म को तेजी से अपना रहे हैं, 2016-17 में राज्य में शुगर का प्रॉडक्शन रिकॉर्ड 90 लाख टन रहा था

[जयश्री भोसले | पुणे]

उत्तर प्रदेश पिछले साल से देश का टॉप शुगर प्रोड्यूसर राज्य बन गया है और उसने गुजरात और नॉर्थ ईस्ट के बाजारों को महाराष्ट्र से छीन लिया है। ऐसे में सेल्स की रफ्तार बनाए रखने के लिए महाराष्ट्र को कीमतों में कटौती करने पर मजबूर होना पड़ा है। महाराष्ट्र की शुगर इंडस्ट्री इस ट्रेंड से चिंतित है। अगले साल राज्य में शुगर का प्रॉडक्शन बढ़ने का अनुमान है, लिहाजा महाराष्ट्र इस मामले को लेकर और परेशान है। यह राज्य पारंपरिक तौर पर देश का सबसे ज्यादा चीनी उत्पादन करने वाला राज्य रहा है। हालांकि, उत्तर प्रदेश के मुकाबले महाराष्ट्र में गन्ने की खेती का रकबा कम है।

बहरहाल, यूपी के गन्ना किसान नई किस्म को तेजी से अपना रहे हैं। लिहाजा, 2016-17 में राज्य में शुगर का प्रॉडक्शन रिकॉर्ड 90 लाख टन रहा और मौजूदा 2017-18 शुगर सीजन में इसके 1 करोड़ टन को पार करने का अनुमान है। घरेलू जरूरतों को पूरा करने के बाद यूपी की चीनी मिलें सिर्फ अपने आसपास के राज्यों की जरूरतें ही पूरी कर पाती थीं।

कोल्हापुर के शुगर ब्रोकर अभिजीत घोरपड़े ने बताया, 'पहले महाराष्ट्र और उत्तर प्रदेश की गुजरात और नॉर्थ ईस्ट में क्रमशः 75 पर्सेंट और 25 पर्सेंट हिस्सेदारी थी। पिछले साल से हालात बिल्कुल उलट गए हैं और यूपी अब इन बाजारों के 75 पर्सेंट हिस्से की जरूरत पूरी कर रहा है। पिछले साल यूपी की मिलों ने बाजार बढ़ाकर महाराष्ट्र के नागपुर तक कर लिया था, जिससे महाराष्ट्र की शुगर मिलों के लिए खतरे घंटी बजने लगी थी।

शुगर प्रॉडक्शन में बढ़ोतरी के कारण यूपी की मिलों पर स्टॉक खत्म करने का दबाव था। मिलों में शुगर की कीमत 36 रुपये प्रति किलो थी, तब भी महाराष्ट्र की शुगर मिलों ने ज्यादा कीमतों की आस में स्टॉक नहीं बेचा

अभिजीत घोरपड़े
शुगर ब्रोकर, कोल्हापुर

अभिजीत ने बताया, 'शुगर प्रॉडक्शन में बढ़ोतरी के कारण यूपी की मिलों पर स्टॉक को खत्म करने का दबाव था। मिलों में शुगर की कीमत 36 रुपये प्रति किलो थी, तो भी महाराष्ट्र की शुगर मिलों ने ज्यादा कीमतों की आस में अपना स्टॉक नहीं बेचा।' राज्य के एक मिल मालिक ने बताया, 'यूपी की मिलों को गन्ने की तय कीमत का भुगतान करना होता है, जबकि महाराष्ट्र की मिलों को किसानों के संगठन के दबाव के कारण ऊंची कीमतों पर गन्ना खरीदना पड़ता है। लिहाजा, यूपी की मिलों को अपनी प्रॉडक्शन कॉस्ट के बारे में ठीक-ठीक पता होता है और वे अपना माल बेचने की कीमत को लेकर फैसला कर सकती हैं।' नतीजतन, महाराष्ट्र की शुगर सेल्स में काफी कमी आई है। यूपी की मिलों से मुकाबला करने के लिए महाराष्ट्र की शुगर मिलों को रेट घटाकर 31.5 रुपये किलो करने पर मजबूर होना पड़ा है। महाराष्ट्र की शुगर इंडस्ट्री के दिग्गजों का मानना है कि महाराष्ट्र के शुगर प्रॉडक्शन में रिकवरी होने पर राज्य को इसका एक्सपोर्ट करने पर मजबूर होना पड़ेगा। सूखे की स्थिति के कारण महाराष्ट्र के शुगर प्रॉडक्शन पर बुरा असर पड़ा है।

Economic Times

13/12/17